

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

शुद्धि-पत्र

दिनांक 19 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1804-ज-II-81/34274.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 1380-ज-II-80/33001 दिनांक 16 सितम्बर, 1980, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 23 सितम्बर, 1980, को प्रकाशित हुई है, के क्रमांक 2 में गांव का नाम “कनलाना” की बजाये “कबलाना” पढ़ा जाये।

दिनांक 22 सितम्बर, 1981

क्रमांक 1128-ज-I-80/34651.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 317-ज-I-80/11892, दिनांक 2 अप्रैल, 1980, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 15 अप्रैल, 1980, को प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाईन में गांव का नाम “रीटान” की बजाये “रोटान” पढ़ा जाये।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1981

क्रमांक 837-ज-I-81/36429.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 2394-ज-I-80/3026, दिनांक 28 जनवरी, 1981, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र दिनांक 10 फरवरी, 1981, में प्रकाशित हुई है, की चौथी लाईन में रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक “150 रुपये” की बजाये “200 रुपये” पढ़ा जाये।

दिनांक 12 अक्टूबर, 1981

क्रमांक 1816-ज-I-81/36542.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 876-ज-I-81/25010, दिनांक 20 जुलाई, 1981, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र दिनांक 18 अगस्त, 1981, में प्रकाशित हुई है, की चौथी लाईन में ‘श्री राम’ की बजाये “श्री सही राम” पढ़ा जाए।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1981

क्रमांक 1874-ज(I)-81/36417.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा (2ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए प्रतिक्रियाओं का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सर्वजीव सिंह, पत्र श्री गंगा राम, प्राम बड़ागढ़, तहसील नारायणगढ़, जिला अमृताला, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1894-ज(I)-81/36421.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती राज कीरत, विधवा श्री खजांग सिंह, गांव रायेवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला अमृताला, को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1891-ज(I)-81/36425.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती करतार कीरत, विधवा श्री करतार सिंह, गांव रायेवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला अमृताला, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1904-ज(I)-81/36434.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मुण्डा राम, पुल श्री बौलत राम, गांव खरखेड़ी, तहसील बावल, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

देशराज सतीजा,
विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।